टीएफआरआई में 3 दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

पारिस्थितिकी तंत्र एवं स्वास्थ्य कार्ड निर्माण विषय पर हो रहा है आयोजन

पीपुल्स संवाददाता ● जबलपुर
editor@peoplessamachar.co.in

भारतीय वानिकी अनुसंधान शिक्षा परिषद के अंतर्गत संचालित उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, (टीएफआरआई) में भारतीय वन सेवा के अधिकारियों के लिए पारिस्थितिकी तंत्र एवं स्वास्थ्य कार्ड निर्माण विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ मंगलवार 28 जनवरी को किया गया। 30 जनवरी तक चलने वाली कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों के भारतीय वन सेवा के अधिकारी सम्मिलित हो रहे हैं।

कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. एचएस गिनवाल ने संस्थान के इतिहास, उद्देश्यों और वानिकी अनुसंधान के क्षेत्र में संस्थान द्वारा किए गए कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के संयोजक डॉ. अविनाश जैन ने कार्यशाला के उद्देश्यों के बारे में बताते हुए पारिस्थितिकी तंत्र की समस्याओं, भूमि क्षरण एवं उसके बचाव के बारे में विस्तार से चर्चा की और पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए जागरुकता और सामूहिक प्रयास बढ़ाने पर जोर दिया। आईआईएफएम भोपाल के निदेशक डॉ. के रविचंद्रन ने पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए आवश्यक कदमों पर प्रकाश डाला और भविष्य में आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार रहने की आवश्यकता पर बल दिया। इस कार्यक्रम में संस्थान के कार्यालय प्रमुख, उप संरक्षक वन, प्रभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक और अधिकारी उपस्थित थे।

3.30 बजे से खेला जाएगा।

'सामूहिक प्रयासों से होगा पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण'

जबलपुर. उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआइ) में पारिस्थितिकी तंत्र और स्वास्थ्य कार्ड निर्माण विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें निदेशक डॉ. एचएस गिनवाल ने कहा कि सामूहिक प्रयासों से पारिस्थितिकी तंत्र को बचाया जा सकता है। कार्यशाला संयोजक डॉ. अविनाश जैन ने पारिस्थितिकी तंत्र की समस्याओं, भूमि क्षरण और बचाव की जानकारी दी। इस अवसर पर संस्थान का वृत्त चित्र भी प्रदर्शित किया गया। आइआइएफएम भोपाल के निदेशक डॉ. के. रविचंद्रन ने कहा कि पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना होगा। उन्होनें भविष्य में आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार रहने पर भी जोर दिया।

ा दिया संदेश

29 Jan 2025, 7:14 am

तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

जबलपुर। भा.वा.अ.शि.प. उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में भारतीय वन सेवा के अधिकारियों के लिए पारिस्थितिकी तंत्र एवं स्वास्थ्य कार्ड निर्माण विषय पर त्रिदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 28 जनवरी से शुरू हुआ। जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के भारतीय वन सेवा के अधिकारी सम्मिलित हो रहे हैं। यह आयोजन 30 जनवरी तक रहेगा। कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. एच.एस. गिनवाल ने संस्थान के इतिहास, उद्देश्यों और वानिकी अनुसंधान के क्षेत्र में संस्थान द्वारा किए गए कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने पारिस्थितिकी तंत्र के वर्तमान समय में महत्व पर प्रकाश डालते हुए उसे बचाने के लिए किए जाने वाले प्रयासों को सार्वभौम रूप से किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यशाला के संयोजक डॉ. अविनाश जैन ने कार्यशाला के उद्देश्यों के बारे में बताते हुए पारिस्थितिकी तंत्र की समस्याओं, भूमि क्षरण एवं उसके बचाव के बारे में विस्तार से चर्चा की और पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए जागरूकता और सामूहिक प्रयास बढ़ाने पर जोर दिया।

वन सेवा अधिकारियों के लिए कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

जबलपुर (नव स्वदेश)। भा.वा.अ.शि.प. उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में भारतीय वन सेवा के अधिकारियों के लिए पारिस्थितिकी तंत्र एवं स्वास्थ्य कार्ड निर्माण विषय पर त्रिदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 28 जनवरी से शुरू हुआ। जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के भारतीय वन सेवा के अधिकारी सम्मिलित हो रहे हैं। यह आयोजन 30 जनवरी तक रहेगा। कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. एच.एस. गिनवाल ने संस्थान के इतिहास, उद्देश्यों और वानिकी अनुसंधान के क्षेत्र में संस्थान द्वारा किए गए कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने पारिस्थितिकी तंत्र के वर्तमान समय में महत्व पर प्रकाश डालते हुए उसे बचाने के लिए किए जाने वाले प्रयासों को सार्वभौम रूप से किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यशाला के संयोजक डॉ. अविनाश जैन ने कार्यशाला के उद्देश्यों के बारे में बताते हुए पारिस्थितिकी तंत्र की समस्याओं, भूमि क्षरण एवं उसके बचाव के बारे में विस्तार से चर्चा की और पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए जागरूकता और सामूहिक प्रयास बढ़ाने पर जोर दिया। इस अवसर पर संस्थान का वृत्त चित्र भी प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के कार्यालय प्रमुख, उप संरक्षक वन, प्रभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक और अधिकारी उपस्थित थे।